ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४६
दिनांक– शुक्रवार, १६ जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 40.0 एवं 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 42 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.3 एवं दोपहर में 43.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। पूरे उत्तर बिहार में हीट बेव की स्थिति बनी रही।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- बिहार में 12 जून को मानसून के आगमन के बाद यह उत्तर पूर्वी बिहार के कुछ ही हिसों में सीमित हो गया। उसके बाद मानसून आगे नहीं बढ़ा तब से अब तक लगातार हीट बेव की स्थिति बनी हुई है। पूर्वानुमानित अवधि में भी हीट बेव की सम्भावना बनी रहेगी। 18 जून के बाद अनुकूल मौसमीय परिस्थियाँ मिलने से मानसून आगे अग्रसर हो सकती है। पूर्वानुमानित अवधि में कुछ स्थानों पर तेज हवा के साथ वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 37–41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किषोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम आदि किस्में बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दषांष हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले 1.5 ग्राम बविस्टीन प्रति कि0 ग्रा0 बीज की दर से उपचारित करें।
- खरीफ मक्का की अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 की बुआई करें। बीज दर 20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पिछात गरमा मक्का में कीट–व्याधि की निगरानी करें।
- हल्दी की राजेन्द्र सोनिया,राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में की बुआई करें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/ 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधषाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- गरमा सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलो कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलो यूरिया, 1.5 किलो सिंगल सुपर फॉसपेट, 1.3 किलो म्युरेट ऑफ पोटाष तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे– भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- खरीफ चारा फसलें मल्टीकट मीठा ज्वार, एम0 पी0 चरी, कोहवा एवं मक्का (अफ्रीकन टौल) की बुआई करें। इन चारा फसलों के साथ दलहनी चारा जैसे मेथ, लोबिया या हाईब्रीड मेथ भी लगायें। बहुवर्षीय चारा फसलें हाईब्रीड नेपियर, गिनिया घास, अंजन घास लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 42.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 28.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)